जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 274 प्रभात बीकानेर, बुधवार 29 अप्रैल, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

महिला व मुस्लिम वोटर, ममता बनर्जी के साथ खड़े हैं?

हालांकि, हिन्दू मतदाता लगभग सत्तर प्रतिशत हैं बंगाल में, इनमें से भाजपा को 60 प्रतिशत वोट मिलें, तब ही भाजपा जीत सकती है, चुनाव

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर, एसआईआर के तहत जो नाम कटे हैं, उनमें सबसे ज्यादा वोट मातुआ लोगों के हैं। यह मातुआ, बाँग्लादेश से आए हिन्दू हैं और इन लोगों ने जमकर भाजपा को समर्थन दिया था गत चुनाव में, पर, इस बार सीएए के कारण मातुआ कुछ आशंकित हैं, नागरिकता पाने के बारे में।
- साथ ही, ममता बनर्जी के प्रति महिलाओं में कुछ अपनापन है, लंबे ''एसोसिएशन'' के कारण। अतः मुस्लिम वोटर व महिला समर्थन के कारण, ममता बनर्जी, आरामदेह स्थिति में हैं वर्तमान चुनाव में।

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। जोर-शोर से लड़े जा रहे पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित चुनाव का दूसरा चरण कल आयोजित हो रहा है।

नई दिल्ली से पश्चिम बंगाल तक मुख्य सवाल यह पूछा जा रहा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले 15 दिनों से कोलकाता में क्या कर रहे हैं? क्या राष्ट्रीय सुरक्षा और संबंधित मुद्दों की निगरानी कोलकाता से की जा रही है?

उस पूरे पांच सितारा होटल को बुक किया गया है, जहां से जोखिम भरा और महत्वपूर्ण पश्चिम बंगाल चुनाव की निगरानी और सूक्ष्म प्रबंधन किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल से प्राप्त नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, महिलाओं और मुसलमानों ने ममता बनर्जी के समर्थन में अपना वोट डाला है।

राज्य में हिंदुओं की संख्या लगभग 70 प्रतिशत है, और भाजपा को चुनाव जीतने के लिए इनमें से कम से कम 60 प्रतिशत का समर्थन चाहिए।

कल होने वाले दूसरे चरण के चुनाव में 142 सीटों पर मतदान होगा। इनमें से पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने केवल 18 सीटें जीती थीं।

इन 142 सीटों में से 58 पर ममता ने 50 प्रतिशत से अधिक वोटों के साथ जीत हासिल की, जिसे भाजपा के लिए दोहराना बहुत कठिन है।

पिछली बार 13 सीटें थीं, जिन पर जीत का अंतर 10,000 से कम था। भाजपा ने इनमें से 5 और ममता ने 8 सीटें जीती थीं।

दिलचस्प बात यह है कि भाजपा को केवल 7 या 8 विधानसभा क्षेत्रों में 50 प्रतिशत वोट मिले।

महत्वपूर्ण यह है कि अधिकतम वोट कटौती मातुआ समुदाय के वोट से हुई है, जिसका लगभग 70 सीटों पर प्रभाव है।

पिछली बार उन्होंने नागरिकता पाने के वादे पर भाजपा को वोट दिया था, लेकिन अब उनकी वोट कटौती के बाद, वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को अपने भाषण में आश्वासन देना पड़ा कि उन्हें नागरिकता दी जाएगी। ये दलित हिंदू और पक्के बांग्लादेशी हैं।

इसके अलावा, बड़ी संख्या में महिलाओं का ममता बनर्जी की ओर झुकाव के कारण महिलाओं के 91 लाख वोटों में से 61 लाख वोट कटे हैं, जिसका उद्देश्य ममता को कमजोर करना है।

इस चरण में मुस्लिम वोट ही निर्णायक हैं।

अमित शाह का वहां कैंप करना यह डर पैदा करता है कि बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बलों के कारण लोगों को वोट डालने से रोकने का प्रयास किया जा सकता है। यह हिंसा का कारण बन सकता है और राष्ट्रीय मुद्दा बन सकता है।

लेकिन फायदा ममता का ही है !

निवेश में राजस्थान का देश में तीसरा स्थान

जयपुर, 28 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से प्रदेश के विकास के लिए किए जा रहे प्रयास रंग ला रहे हैं। इसी का परिणाम है कि निवेश और प्रोजेक्ट्स के मामले में राजस्थान निवेशकों की पसंद बनता जा रहा है। इंडिया स्टेट की नवीनतम रिपोर्ट में सामने आया है कि निवेश में लंबी छलांग लगाते हुए प्रदेश वित्त वर्ष 2025 में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि वित्त वर्ष 2024 में राजस्थान 8वें स्थान पर था। राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही नवीकरणीय

- वर्ष 2025 में राज्य में हुए निवेश में चार गुना वृद्धि हुई।

ऊर्जा में भी बड़े निवेश आए हैं। आंकड़ों की बात की जाए तो राज्य के कुल निवेश में 4 गुना की जबरदस्त वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2024 में जहां निवेश 1.10 लाख करोड़ रुपए था, वहीं वित्त वर्ष 2025 में निवेश 4.65 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इसके अलावा, प्रोजेक्ट्स का आंकड़ा भी वित्त वर्ष 2024 में 501 से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 873 हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पीडब्ल्यूडी में 57 हजार करोड़ के 8 मेगा हाईवे प्रोजेक्ट्स हैं। वहीं सोलर पावर प्रोजेक्ट में एसीएमई क्लीनटेक सॉल्यूशन्स का 11 हजार करोड़ का निवेश भी राजस्थान आया है।

बंगाल के चुनाव, एक ही हीरो है ''सिंघम''

यूपी का आईपीएस अफसर अजय पाल शर्मा है और अजय पाल शर्मा ने डायमंड हार्बर चुनाव क्षेत्र में वोटर के मन से ''भय'' निकालने की जिम्मेवारी उठायी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

- उन्होंने मुस्लिम बाहुल्य डायमंड हार्बर इलाके में हर गली मौहल्ले में घूम-घूम कर क्षेत्र के बाहुबली व गुण्डों को उनके घर जाकर चेतावनी दी है कि वे इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे कि वोटर अपनी सुरक्षा को लेकर काफी आशंकित है।
- इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाहुबली था जहाँगीर। जहाँगीर क्षेत्र के मतदाताओं के पहचान पत्र इकट्ठे करके सारे फर्ज़ी मतदान को अंजाम देता था और 90-92 प्रतिशत वोट मिल जाते थे, तृणमूल के उम्मीदवार को। यह ही कारण था कि ममता बनर्जी के भतीजे यहाँ से सात लाख वोटों से जीते थे।
- अजय पाल ने जहाँगीर के घर जाकर उसे चेतावनी दी तथा इसके बाद गिरफ्तारी के भय से जहाँगीर घर से गायब हो गए और इधर-उधर छिपते फिरते रहे। यह ही हाल जहाँगीर की पूरी टीम का हुआ।

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। अगर कोई एकमात्र हीरो है, जो लोगों को तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा डराने-धमकाने से बचा रहा है, जैसा कि वे 2011 से नियमित रूप से करते आ रहे हैं, तो वह यूपी के आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा हैं, जिन्हें आमतौर पर ''सिंघम'' के नाम से जाना जाता है।

एक तरह से, दक्षिण बंगाल के जिलों में पिछले कुछ दिनों में हुए खुलासे से स्पष्ट रूप से उजागर हुआ है कि तृणमूल कांग्रेस और व्यापक स्तर पर फर्ज़ी मतदान कराने वाले पार्टी के अपराधी तत्वों के बीच साँठ-गाँठ है। ये सख्त तरीकों से पकड़ में आ रहे हैं, जिससे तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में हड़कंप मचा हुआ है।

अजय पाल शर्मा ने यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी खुद ली कि डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को तृणमूल के गुंडे जहांगीर, जो ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी के संरक्षण में क्षेत्र पर जबरदस्त दबदबा रखता था, से कोई खतरा नहीं होगा।

अजय पाल शर्मा ने अपने क्षेत्र का दौरा किया और सीधे जहांगीर के निवास और अड्डों पर जाकर उसे चेतावनी दी कि मतदाताओं को डराने की किसी भी कोशिश पर कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। जहांगीर अब फरार है और अनुपस्थिति में बयान जारी कर रहा है।

कहने की जरूरत नहीं कि बंगाल के लोगों ने बड़े पैमाने पर उस तरीके को बहुत सराहा है, जिससे यूपी के आईपीएस अधिकारी क्षेत्र के गुंडों से पेश आ रहे हैं।

इस चुनाव से पहले तक, इस क्षेत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप पर ईरान वॉर खत्म करने का भारी दबाव है

ट्रंप खुद भी यही चाहते हैं, पर वे ईरान से ऐसा कुछ हासिल करना चाहते हैं, जिसे जीत के रूप में दिखा सके

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

- असल में वॉर पावर एक्ट के तहत ट्रंप 60 दिन से ज्यादा किसी अन्य देश में अमेरिकन सेना तैनात नहीं कर सकते और मिडिल ईस्ट में अमेरिकन सेना को एक मई को 60 दिन हो जाएंगे।
- ट्रंप युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस से 30 दिन का विस्तार मांग सकते हैं, पर डैमाक्रेट्स के विरोध के कारण ऐसा होना मुश्किल लग रहा है।
- फिलहाल जो हालात हैं, उनमें अगर युद्ध समाप्त हो जाता है तो इसे ईरान की जीत माना जाएगा।

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। राष्ट्रपति ट्रम्प को 1 मई की समयसीमा का सामना करना पड़ रहा है कि वे बिना कांग्रेस की मंजूरी के ईरान में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को समाप्त करें, वॉर पावर एक्ट के तहत। उनके पास विकल्प हैं - शांति समझौते पर सहमति देना, मंजूरी लेना, या समयसीमा की अनदेखी करके कानूनी जोखिम उठाना।

ट्रम्प के लिए समय बीतता जा रहा है, क्योंकि वे ईरान युद्ध को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं, एक ऐसा संघर्ष, जो शायद उनकी योजना के अनुसार नहीं गया, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि उन्हें ऐसा नहीं लगता।

अमेरिकी राष्ट्रपति इस सप्ताह एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। 1 मई ही आखिरी दिन है, जिस दिन तक वे वॉर पावर रेज़ॉल्यूशन का उल्लंघन किए बिना सैन्य कार्रवाई जारी रख सकते हैं।

इस कानून के तहत, वे कांग्रेस की मंजूरी के बिना अमेरिकी बलों को 60 दिनों से अधिक तैनात नहीं कर सकते। सरल शब्दों में, अगर वे ऐसा करना चाहते हैं तो इसके लिए अमेरिका को ईरान के खिलाफ युद्ध घोषित करना होगा। ट्रम्प के पास फिलहाल यह मंजूरी नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री ने सिक्किम में फुटबॉल खेल बंगाल को मैसेज दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक दांव की टाइमिंग बेहद सटीक होती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को प.बंगाल के अपने व्यस्त चुनाव

- फुटबॉल बंगाल के लिए सिर्फ खेल नहीं सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है, और प्र.मंत्री ने फुटबॉल खेलकर प.बंगाल की जनता की भावनाओं को छुआ है।

प्रचार कार्यक्रम से ब्रेक लिया और गंगटोक, सिक्किम में युवाओं के साथ फुटबॉल खेली।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पांच सितारा ''ताज आमेर'' होटल का वन्यजीव क्लीयरेंस रद्द करने का आदेश निरस्त

राजस्थान हाईकोर्ट ने कान्हा होटल्स एंड स्पा प्रा. लि. को राहत देते हुए फैसला सुनाया

-यादवेन्द्र शर्मा-

- ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने 28 फरवरी 2024 को इस होटल का वन्यजीव क्लीयरेंस रद्द किया था
- अदालत के समक्ष केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया कि, यह होटल नाहरगढ़ सेंचुरी से मात्र 90 मीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि नियमानुसार 1 किलोमीटर के दायरे में कोई होटल संचालित नहीं हो सकता।
- हाईकोर्ट ने कहा कि, ''राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने तर्कहीन फैसला दिया था, क्योंकि जिस नोटिफिकेशन को देखते हुए वन्यजीव क्लीयरेंस रद्द किया गया है, उसमें साफ लिखा है कि यह केवल नए होटलों पर लागू हो सकता है, स्थापित होटलों पर नहीं।''

जयपुर, 28 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने आमेर में संचालित पांच सितारा होटल (ताज आमेर) को राहत देते हुए राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की ओर से उसका वन्यजीव क्लीयरेंस रद्द करने वाले 28 फरवरी, 2024 के आदेश को निरस्त कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कान्हा होटल्स एंड स्पा प्रा. लि. की याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता का होटल इको सेंसिटिव ज़ोन की अधिसूचना से पहले ही बनकर तैयार हो चुका था और इसके लिए राज्य वन्यजीव बोर्ड ने भी सकारात्मक रूप से सिफारिश की थी। ऐसे में पहले से विद्यमान इकाईयों पर नई शर्तें पूर्व तिथि से लागू नहीं की जा सकती।

याचिकाकर्ता की ओर से इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी. माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता दक्ष पारीक और पलक माथुर पैरवी के लिए पेश हुए थे। याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने आमेर के चिमनपुरा गांव में नाहरगढ़ अभयारण्य से पास जमीन खरीदी थी। जिसका पूर्व में ही कृषि भूमि से औद्योगिक रूपान्तरण किया जा चुका था। साल 2006 में पर्यटन विभाग ने नई होटल पॉलिसी जारी कर कई तरह की छूट की घोषणा की। इसका लाभ लेने के लिए याचिकाकर्ता ने पर्यटन इकाई स्थापित करने के लिए आवेदन किया। इसके बाद 24 मार्च 2007 ने पर्यटन विभाग ने इसे स्वीकार कर लिया। वर्ष 2017 में याचिकाकर्ता ने राजस्थान सरकार से पर्यावरणीय स्वीकृति मांगी थी। इसके बाद साल 2019 में उपवन संरक्षक की रिपोर्ट पर उसे साल 2020 में वन्यजीव क्लीयरेंस प्रदान करने की सिफारिश की गई। जिसके आधार पर प्रदूषण बोर्ड ने याचिकाकर्ता को होटल संचालन की अनुमति दी।

याचिकाकर्ता का कहना था कि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजीव गांधी की हत्या का आरोपी हाई कोर्ट का वकील बना

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। कभी पूर्व

- एजी पेरारिवलन, जो राजीव गांधी की हत्या के षडयंत्र में शामिल होने के कारण 31 साल जेल में रहा, ने मद्रास हाई कोर्ट से प्रैक्टिस शुरु की है। उन्होंने कहा कि वे उन लोगों के लिए लड़ेंगे, जो अंडरट्रायल होते हैं, पर उन्हें पर्याप्त सहायता नहीं मिल जाती है।

प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या मामले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा का हमला, गहलोत का ओछा कटाक्ष और पायलट की संयमित प्रतिक्रिया

भाजपा प्रभारी का आक्रामक बयान केवल राजनीतिक हमला नहीं था, बल्कि कांग्रेस के भीतर सचिन पायलट की स्थिति और निष्ठा पर सवाल खड़े करने का प्रयास भी माना जा रहा है

- बीते पाँच साल में पहली बार है, जब कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से लेकर तमाम कांग्रेसियों ने सचिन पायलट के पक्ष में बयान दिए हैं। यह संकेत है, पायलट के बढ़ते राष्ट्रीय कद और गाँधी परिवार से नज़दीकियों के।
- केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि मानेसर कांड के रचयिता, कहानीकार और अंत तक पटकथा लिखने वाले अशोक गहलोत ही थे, जबकि, सचिन पायलट केवल मोहरा थे। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत आज भी अपने राजनीतिक वनवास को समाप्त करने के लिए पायलट का उपयोग कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

जयपुर, 28 अप्रैल। टोंक में भाजपा के राजस्थान प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट पर किए गए तीखे व्यक्तिगत हमले ने प्रदेश की राजनीति को अचानक गर्मा दिया है। भाजपा ने हमला किया, अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर कटाक्ष किया और पायलट ने कांग्रेस को एकजुट दिखाते हुए हमेशा की तरह संयमित बयान देकर मामले को शांत करने प्रयास किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में राधामोहन दास अग्रवाल ने सचिन पायलट पर सीधा हमला करते हुए कहा कि उनका एक पैर टोंक में रहता है और दूसरा पता नहीं कहां? उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश से आकर टोंक में चुनाव लड़ने वाला एक बहरूपिया विधायक बन जाता है और अब मुख्यमंत्री बनने के सपने देख रहा है। भाजपा प्रभारी का यह बयान केवल राजनीतिक हमला नहीं था, बल्कि कांग्रेस के भीतर सचिन पायलट की स्थिति और निष्ठा पर सवाल खड़े करने का प्रयास भी माना जा रहा है।

देर शाम सचिन पायलट ने पूरे घटनाक्रम पर बेहद संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया दी। पायलट ने कहा कि राधामोहन दास को उनसे इतना प्रेम क्यों है, यह कभी मिलेंगे तो पूछेंगे, लेकिन राजनीति में व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। बीते पांच साल में पहली बार है, जब कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से लेकर तमाम कांग्रेसियों ने सचिन पायलट के पक्ष में बयान दिए हैं। यह संकेत है, पायलट के बढ़ते राष्ट्रीय कद और गांधी परिवार की नजदीकियों का।

इसी बीच केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इस विवाद को और गहरा करते हुए मानेसर प्रकरण की पुरानी फाइल खोल दी। शेखावत ने कहा कि मानेसर कांड के रचयिता, कहानीकार और अंत तक पटकथा लिखने वाले अशोक गहलोत ही थे, जबकि सचिन पायलट केवल मोहरा थे। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत आज भी अपने राजनीतिक वनवास को समाप्त करने के लिए पायलट का उपयोग कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। शेखावत के इस बयान ने साफ संकेत दिया कि भाजपा अब 2020 की कांग्रेस बगावत को फिर से चुनावी हथियार बनाने की तैयारी में है।

इन चारों बयानों का संयुक्त राजनीतिक असर यह है कि भाजपा ने सचिन पायलट को निशाना बनाकर कांग्रेस में अविश्वास पैदा करने की कोशिश की। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पुराने मानेसर विवाद को फिर जिंदा कर भाजपा के लिए नया हमला बिंदु तैयार कर दिया। कुल मिलाकर यह घटनाक्रम बता रहा है कि राजस्थान की राजनीति में सचिन पायलट अब केवल कांग्रेस के युवा चेहरे नहीं, बल्कि भाजपा और कांग्रेस दोनों की रणनीति के केन्द्र में आ चुके हैं। पायलट पर हमला करने के बाद कांग्रेसियों ने टोंक समेत पूरे राजस्थान में राधामोहन दास के पुतले जलाए और माफी मांगने की मांग की है।

'अत्याधुनिक क्रूज़ मिसाइल का मुकाबला नहीं कर सकता यूएस'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। अमेरिकी सेना के पास वर्तमान में हाइपरसोनिक हथियारों या उन्नत क्रूज मिसाइलों का मुकाबला करने के लिए कोई प्रभावी

- पेंटागन के एक बड़े अफसर मार्क बर्कोविट्ज़ ने अमेरिकन सीनेट को यह जानकारी दी।

डिफैंस लाइन नहीं है, जो रूस और चीन जैसे प्रतिद्वंदियों के पास है। यह बात एक वरिष्ठ पेंटागन अधिकारी ने कांग्रेस की सुनवाई के दौरान स्वीकार की।

मार्क बर्कोविट्ज़, जो स्पेस पॉलिसी के लिए असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ़ वॉर हैं, ने अमेरिकी सीनेट को बताया कि प्रतिद्वंदियों ने अब ''गैर-बैलिस्टिक खतरों, जिसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)